दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक दैनिक हो गया है। इसका सर्व का कार्य आगे भी तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्व की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO :- CHHHIN16931 ‖ email :- nyaysakshi@gmail.com ‖ रायगढ़, सोमवार 8 अक्टूबर 2018 ‖ पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए ‖ वर्ष-01, अंक-13

महत्वपूर्ण एवं खास

कृत्रिम बुद्धिमता पद्धति से अल्जाइमर का पता पांच साल पहले ही लगाना संभव

टोरंटो (आरएनएस)। वैज्ञानिकों ने ऐसा कृत्रिम बुद्धिमता (एआई या आर्टिफिशल इंटेलिजेंस) एल्गोरिद्म तैयार किया है जिससे अल्जाइमर के इलाज में मदद मिल सकेगी। इसके जरिए यह पता लगाया जा सकता है कि व्यक्ति की सोचने-समझने की क्षमता में कमी के कारण अगले पांच साल में उसे अल्जाइमर होने का खतरा तो नहीं है। इन वैज्ञानिकों में से एक भारतीय मूल के हैं।

ब्राजील के राष्ट्रपति चुनाव के पहले दौर में धुर दक्षिणपंथी नेता बोलसोनारो की जीत

रियो डि जेनेरो (आरएनएस)। धुर दक्षिणपंथी नेता जैर बोलसोनारो ने रविवार को ब्राजील के राष्ट्रपति चुनाव के पहले दौर में आसानी से जीत हासिल कर ली। हालांकि, उन्होंने आरोप लगाया कि मतदान से जुड़ी गड़बड़ियों के कारण उन्हें निर्णायक जीत से वंचित होना पड़ा। राष्ट्रपति चुनाव में बोलसोनारो के सामने उनके प्रमुख प्रतिद्वंद्वी के रूप में वामपंथी नेता फर्नांडो हडाड हैं और अब दोनों के बीच दूसरे दौर में कड़ी टक्कर होने के आसार हैं।

लिमोजिन कार दुर्घटनाग्रस्त, 20 लोगों की मौत

न्यूयॉर्क में बड़ा सड़क हादसा

न्यूयॉर्क (आरएनएस)। अमेरिका के न्यूयॉर्क में लिमोजिन कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिससे 20 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना न्यूयॉर्क से लगभग 257 किलोमीटर दूर स्कोहेरी में हुई, जब एक तेज रफ्तार लिमोजिन कार पार्कि ग में खड़ी एसयूवी से जा टकराई। प्रशासन ने रविवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि जिन 20 लोगों की मौत हुई है, वे सभी वयस्क थे और इनमें से 18 लिमोजिन में सवार थे जबकि दो राहगीर थे।

श्रीलंका में तूफान से 4 लोगों की मौत

कोलंबो (आरएनएस)। श्रीलंका में इस सप्ताहांत भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण चार लोगों की मौत हो गई और 10,000 से ज्यादा प्रभावित हुए। आपदा प्रबंधन केंद्र (डीएमसी) के प्रवक्ता प्रदीप कोडिपिली ने बताया कि कालूतारा और गाले में चार लोगों के मरने की खबर है।

बैंकॉक में हुई गोलीबारी में भारतीय पर्यटक की मौत

बैंकॉक (आरएनएस)। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में गोलीबारी में एक भारतीय पर्यटक की मौत हो गई जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने बताया कि यह शूटआउट दो टीनेज समूहों के बीच प्रतुनम के सेंटरा वाटरगेट पवेलियन शॉपिंग मॉल के पार्कि ग लॉट में रविवार रात को हुआ।

सुपौल के स्कूल में घुसकर छात्राओं से मारपीट, 9 गिरफ्तार

सुपौल (आरएनएस)। बिहार के सुपौल जिले में स्कूल में घुसकर छात्राओं के साथ मारपीट करने के मामले में पुलिस ने 9 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें से एक नाबालिग है। वहीं पुलिस ने बाकियों से दस्तवों का सर्टिफिकेट मांगा है। पुलिस का कहना है कि इस मामले में जांच चल रही है ताकि किसी बेकसूर को सजा न मिले। इस हमले में करीब 30 छात्राएं जख्मी हो गई थीं।

प्रमुख कैंसर सर्जन सुल्तान प्रधान धनवंतरी पुरस्कार से सम्मानित

मुंबई (आरएनएस)। देश के प्रमुख कैंसर सर्जन सुल्तान ए. प्रधान को एक समारोह में धनवंतरी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। महाराष्ट्र के राज्यपाल सी.वी.राव ने रविवार रात राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) नेता शरद पवार, पूर्व मुख्यमंत्री सुशील कुमार शिंदे, डी.वाई पाटिल और राहुल गोयल सहित कई गणमान्य लोगों की मौजूदगी में प्रधान को सम्मानित किया।

बांदीपोरा में पोलिंग बूथ पर भारी पथराव, बीजेपी उम्मीदवार जख्मी

श्रीनगर (आरएनएस)। उत्तरी कश्मीर के बांदीपोरा जिले में सोमवार को स्थानीय निकाय चुनाव के बीच कुछ उग्रप्रवियों ने एक मतदान केंद्र पर भारी पथराव किया। बांदीपोरा के डाचीगाम इलाके में हुई पथराव की इस घटना में वहां बीजेपी का एक उम्मीदवार घायल हो गया। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, पथराव के बाद से ही इलाके में तनाव का माहौल बरकरार है, हालांकि सुरक्षाबलों की मुस्तैदी के कारण मतदान की प्रक्रिया प्रभावित नहीं हुई है।

जानकारी के मुताबिक, सोमवार सुबह 7 बजे से ही बांदीपोरा जिले में 16 वॉर्डों में मतदान की प्रक्रिया चलाई जा रही है। इसी क्रम में कुछ उग्रप्रवियों ने करीब 11 बजे डाचीगाम में बने एक पोलिंग बूथ पर पथराव शुरू कर दिया। इस दौरान इलाके में तनाव को देखते हुए तत्काल सीआरपीएफ और पुलिस के जवानों ने मोर्चा संभाला और फिर आंसू गैस के गोले दागकर उग्रप्रवियों को किसी तरह मतदान केंद्र से खदेड़ दिया। इस दौरान पोलिंग बूथ की तरफ आ रहे वॉर्ड नंबर 15 के उम्मीदवार आदिल अली बुहरू पथराव की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

घायल बीजेपी उम्मीदवार की हालत स्थिर

इसके बाद उनकी सुरक्षा में तैनात पुलिस के जवानों ने स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें बांदीपोरा के जिला अस्पताल में भर्ती कराया। स्थानीय प्रशासन के अनुसार बांदीपोरा में भर्ती आदिल अली की हालत फिलहाल स्थिर है और प्रशासनिक अधिकारी उनके स्वास्थ्य की निगरानी कर रहे हैं। साथ ही डाचीगाम समेत संवेदनशील इलाकों में एहतियात के तौर पर अतिरिक्त सुरक्षाबलों की तैनाती की गई है।

सुरक्षा के बीच महज 4 घंटे में ही भारी मतदान

जम्मू-कश्मीर में बीते 13 साल से निकाय चुनाव ना होने कारण आम लोगों में इस बार इन चुनावों के मतदान के लिए काफी उत्साह देखने को मिला है। खास बात यह कि हुर्रियत और आतंकी संगठनों की कई अपीलों के बावजूद भी कश्मीर के आतंक प्रभावित जिलों में वोटरों की बड़ी संख्या पोलिंग बूथ पर दिख रही है। राज्य के मुख्य निर्वाचन आयुक्त कार्यालय की ओर से मिली जानकारी के मुताबिक सुबह 11 बजे तक राजौरी जिले में सर्वाधिक 55 फीसदी वोटिंग हुई है। इसके अलावा पुंछ में 47, जम्मू में 34, करगिल में 33, लेह में 26, कुपवाड़ा में 18, अनंतनाग में 5, श्रीनगर में 3.5, बारामुला और बडगाम में 3 और बांदीपोरा में 2 फीसदी वोटिंग हुई है। जम्मू-कश्मीर में पूर्व में हुए तमाम चुनावों की अपेक्षा यह आंकड़े काफी सकारात्मक माने जा रहे हैं।

422 वॉर्डों में कराई जा रही है वोटिंग

बता दें कि जम्मू-कश्मीर में 13 साल के लंबे इंतजार के बाद सोमवार को स्थानीय निकाय चुनाव का आगाज हुआ है।

सेना और अर्धसैनिक बलों के 10 हजार से अधिक जवानों की सुरक्षा में जम्मू-कश्मीर के कुल 422 वॉर्डों में 820 पोलिंग स्टेशनों पर निकाय चुनाव के प्रथम चरण का मतदान कराया जा रहा है। निर्वाचन अधिकारियों के अनुसार आम लोगों के लिए निकाय चुनाव की वोटिंग के लिए सुबह 7 बजे से शाम 4 बजे तक का समय निर्धारित किया गया है और इसके लिए घाटी के सभी पोलिंग बूथों समेत सार्वजनिक स्थानों और महत्वपूर्ण स्थानों पर कड़े सुरक्षा बंदोबस्त किए गए हैं।

अब 1 नवंबर तक जेल नहीं जाएंगे पी. चिदंबरम और उनके बेटे कार्ति

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली की एक अदालत ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से दाखिल एयरसेल-मैक्सिस मामले में सोमवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम और उनके बेटे कार्ति चिदंबरम को गिरफ्तारी से दिया गया अंतरिम संरक्षण एक नवंबर तक बढ़ा दिया।

विशेष सीबीआई जज ओपी सैनी ने मामले की अगली सुनवाई के लिए एक नवंबर की तारीख उस वक्त तय की, जब सीबीआई और ईडी की तरफ से पेश हुए वकीलों ने इस मामले में स्थगन की मांग की।

सीबीआई के वकील अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) तुषार मेहता और ईडी के वकील नितेश राणा ने अदालत को बताया कि चिदंबरम के वकीलों पीके दुबे और अर्शदीप सिंह के जरिए दाखिल अर्जियों पर विस्तृत जवाब दाखिल करने और उन पर बहस करने के लिए एजेंसियों को वक्त की जरूरत है। बीते 19 जुलाई को सीबीआई की ओर से दाखिल आरोप-पत्र में चिदंबरम और उनके बेटे को नामजद किया गया था। एजेंसी ने विशेष न्यायाधीश के सामने पूरक आरोप-पत्र दाखिल किया, जिस पर अगली सुनवाई के दिन विचार किया जाएगा। सीबीआई इस बात की जांच कर रही है कि 2006 में वित्त मंत्री के पद पर रहते हुए चिदंबरम ने कैसे एक विदेशी कंपनी को विदेशी निवेश संवर्धन बोर्ड (एफआईपीबी) की मंजूरी दिला दी, जबकि सिर्फ कैबिनेट की आर्थिक मामलों की समिति को ऐसा करने का अधिकार था। 3,500 करोड़ रुपए के एयरसेल-मैक्सिस करार और 305 करोड़ रुपए के आईएनएक्स मीडिया मामले में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता चिदंबरम की भूमिका जांच एजेंसियों की छानबीन के दायरे में है।

सीबीआई को क्लोजर रिपोर्ट दाखिल करने की अनुमति

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली हाई कोर्ट ने जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के छात्र नजीब अहमद के लापता होने के मामले में सीबीआई को क्लोजर रिपोर्ट दाखिल करने की अनुमति सोमवार को दे दी। न्यायमूर्ति एस. मुरलीधर और न्यायमूर्ति विनोद गोयल की पीठ ने कहा कि अहमद की मां निचली अदालत में अपनी बात रख सकती हैं, जहां रिपोर्ट दायर की गई है।

गौरतलब है कि अहमद की मां ने हाई कोर्ट में अर्जी देकर अनुरोध किया था कि उनके बेटे का पता लगाने के लिए अदालत पुलिस को निर्देश दे। पीठ ने यह भी कहा कि यदि अहमद की मां को मामले पर स्थिति रिपोर्ट चाहिए तो उन्हें निचली अदालत जाना होगा।

14 अक्टूबर की रात एबीवीपी से कथित रूप से जुड़े कुछ छात्रों के साथ कहासुनी के बाद अहमद 15 अक्टूबर, 2016 को जवाहर लाल विश्वविद्यालय के माही-मांडवी छात्रावास से लापता हो गया था।

यूपी-बिहार के लोग लौटने को मजबूर

अहमदाबाद (आरएनएस)। गुजराती हमेशा से अपने दोस्ताना व्यवहार के लिए जाने जाते रहे हैं। यहां के लोग दूसरी संस्कृति के लोगों का भी दिल खोलकर स्वागत करते हैं। गुजरातियों ने ईरान से आए पारसियों को भी दूध में शक्कर की तरह अपना बना लिया था। गुजराती समुदाय के लोग आपको दुनियाभर में मिलेंगे और यहां वे बाहरियों का भी बेझिझक वेलकम करते हैं पर पिछले कुछ दिनों से माहौल बदला-बदला सा दिख रहा है।

वेलकम करने वाले गुजराती दे रहे धमकी

डर या त्योहार मनाने लौटे?

दरअसल, साबरकांठा में 28 सितंबर को 14 महीने की मासूम से रेप में जब बिहार से आए एक कामगार का नाम सामने आया तो गुजरातियों का गुस्सा भड़क उठा। एक कामगार की करतूत का असर यह हुआ कि पूरे उत्तर भारतीयों का विरोध शुरू हो गया। सोशल मीडिया पर कुछ विडियो भी सामने आए हैं, जिसमें यूपी, बिहार के लोगों को जल्द से जल्द गुजरात से चले जाने की धमकी दी गई है। कई उत्तर भारतीयों पर हमले भी हुए हैं। दावा किया जा रहा है कि यूपी और बिहार से दो जून की रोटी कमाने गुजरात गए 50,000 से ज्यादा लोगों को पलायन के लिए मजबूर होना पड़ा। हालांकि प्रशासन का कहना है कि लोग त्योहार होने के कारण अपने घरों की ओर जा रहे हैं।

पुलिस का ऐक्शनः 42 केस, 342 गिरफ्तारी

उत्तर भारतीयों पर बढ़े हमलों पर गुजरात के डीजीपी शिवानंद झा ने बताया है कि अबतक कुल 42 केस दर्ज किए गए हैं और 342 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यूपी-बिहार के लोगों के साथ हिंसा के इन मामलों से गुजरात के कुल 6 जिले प्रभावित हुए हैं। मेहसाणा में 15 केस दर्ज हुए हैं जिसके तहत 89 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

साबरकांठा में 11 केस और 95 गिरफ्तारी, अहमदाबाद में 7 केस और 73 गिरफ्तारी, गांधीनगर में 3 केस और 27 गिरफ्तारी, अहमदाबाद ग्रामीण में 3 केस और 36 गिरफ्तारी, अरावली में 2 केस और 20 गिरफ्तारी व सुरेंद्रनगर में एक केस और दो गिरफ्तारियां हुई हैं।

इसके अलावा सोशल मीडिया पर नफरत फैलाने वाली और भड़काऊ पोस्ट करने के आरोप में 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

ठाकोर सेना ने भड़काया?

बताया जा रहा है कि ठाकोर सेना के लोगों ने सबसे पहले उत्तरी गुजरात में यूपी और बिहार के लोगों के खिलाफ प्रदर्शन किया और मांग की कि दूसरे राज्यों से आए लोगों को यहां नौकरी पर न रखा जाए।

सोशल मीडिया पर गैर-गुजरातियों के खिलाफ नफरत भरे संदेशों की बाढ़ आ गई। 200 से ज्यादा लोगों की भीड़, जिसमें कथित तौर पर ठाकोर सेना के सदस्य प्रमुख थे, ने 2 अक्टूबर को मेहसाणा जिले में वडनगर टाउन के पास एक फैक्ट्री पर धावा बोला और 2 कर्मचारियों की पिटाई कर दी।

... और नफरत का गुबार फूट पड़ा

3 अक्टूबर को भी भीड़ ने अहमदाबाद के चांदलोडिया इलाके में तोड़फोड़ की और उत्तर भारतीयों को शहर छोड़ने की धमकी दी।

शुक्रवार सुबह को अरावली के कबोला गांव में एक फैक्ट्री के बाहर 200 लोगों की भीड़ जमा हो गई और गैर-गुजरातियों को धमकी दी गई। एक के बाद एक दूसरे शहरों में भी इस तरह की घटनाएं हुई हैं।

अमेरिका में रह रहे सऊदी पत्रकार की निर्मम हत्या

शव के टुकड़े कर बनाया वीडियो

इस्तांबुल (आरएनएस)। सऊदी अरब के शाही परिवार की मुखाल्फत करने वाले मशहूर सऊदी पत्रकार को पहले बुरी तरह टॉर्चर किया गया फिर उनकी हत्या की गयी और बाद में उनके शरीर के टुकड़-टुकड़े कर दिए गए। दरअसल, तुर्की की गुप्तचर संस्था ने इस बात का खुलासा किया है।

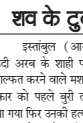

तुर्की गुप्तचर शाखा के हवाले से तुर्की की पुलिस ने कहा है कि इस्तांबुल में स्थित सऊदी दूतावास में पत्रकार जमाल खाशोज्जी की हत्या की गई है। जमाल सऊदी राजा के डर की वजह से देश छोड़ दिया था और इन दिनों अमेरिका में रह रहे थे।

तुर्की की पुलिस ने कहा है कि पत्रकार को पहले बुरी तरह टॉर्चर किया गया और फिर हत्या कर दी गई। इसके बाद उनके शव के टुकड़े किए गए। पुलिस की ओर से अब तक कोई सबूत पेश नहीं किया गया है। वहीं, सऊदी अरब ने आरोपों को झूठ बताया है।अप्वाइंटमेंट मिलने के बाद कुछ कागजात लेने के लिए वे मंगलवार को इस्तांबुल में सऊदी अरब के दूतावास में गए थे। इसके बाद उनके बारे में कुछ पता नहीं चला। जबकि उनकी गर्लफ्रेंड दूतावास के बाहर उनका इंतजार कर रही थी।

जमाल अमेरिका में रहकर वाशिंगटन पोस्ट के लिए लिखा करते थे। दूतावास में तलाक से संबंधित कागजात लेने गये थे और अपनी नई शादी की तैयारी कर रहे थे। उनकी उम्र 59 साल थी। जमाल सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की नीतियों के सख्त आलोचनक रहे हैं। एक पुलिस सूत्र ने मीडिया को बताया है कि दूतावास के अंदर सबकुछ फिल्मावा गया और टेप देश के बाहर भेज दिया गया, ताकि साबित किया जा सके कि मिशन पूरा हो गया।

3 साल में आतंकवादियों के साथ गए 12 पुलिसकर्मी

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर में पुलिसकर्मियों के नौकरी छोड़कर आतंकवादियों के साथ जाने की घटनाओं ने डिपार्टमेंट की चिंता बढ़ा दी है। पिछले 3 साल में 12 पुलिसकर्मी करीब 30 हथियारों के साथ भाग चुके हैं। हाल में स्पेशल पुलिस अधिकारी आदिल बशीर के भागने के बाद जम्मू कश्मीर पुलिस ने इस तरह की घटनाओं पर चिंता जताते हुए एक आतंरिक रिपोर्ट तैयार की है। बशीर दक्षिणी कश्मीर की वाची विधानसभा से पीडीपी विधायक एजाज मीर के आधिकारिक आवास से 8 हथियार लेकर भागा था, जिसमें 7 एके47 राइफलें और एक पिस्टल थी। पुलिस के मुताबिक करीब 12 पुलिसकर्मी और 2 सैन्यकर्मी मिलिटेंट रैंक में शामिल हो चुके हैं और ये अपने साथ करीब 30 हथियार लेकर भागने में सफल रहे।

पुलिस ने 5 अक्टूबर को 29 वर्षीय बीएसएफ कॉन्स्टेबल शकीर वानी को एक और स्थानीय युवक के साथ हिजबुल मुजाहिदीन के साथ कथित रिश्तों के आरोप में गिरफ्तार किया था। पुलिस ने दावा किया कि वानी हिजबुल मुजाहिदीन का भूमिगत कार्यकर्ता है और वह आतंकियों को रसद सप्लाई में मदद करता है। पुलिस ने यह भी दावा किया कि उसे मिलिटेंट रैंक के लिए युवाओं की भर्ती की भी जिम्मेदारी दी गई थी। पुलिस की एक इंटरनल नोट में इस स्थिति को बेहद गंभीर बताया गया है।

नौकरी पुलिस की, काम आतंकवाद का

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने कॉन्स्टेबल रशीद शिगन के नौकरी छोड़कर भागने के मामले में नए जानकारियों का पता लगाया है। पुलिस ने दावा किया कि रशीद हिजबुल मुजाहिदीन का एक सक्रिय सदस्य था और पुलिस में नौकरी के दौरान वह पिछले 18 महीनों में कम से 13 आतंकी हमलों में शामिल था।

किस चुनौती का सामना कर रहे पुलिसवाले?

इस मामले से वाकिफ एक सीनियर पुलिस अधिकारी ने बताया, पुलिसकर्मियों के लिए अपनी भावनाओं को प्रफेशन से दूर रखना मुश्किल है, खासकर जब कई बार वह व्यक्तिगत रूप से उस स्थिति का सामना कर चुका हो। भले ही जमीन पर इस समय पुलिस बनाम मिलिटेंट दिख रहा है, लेकिन पुलिसकर्मियों को भीतर भी एक चुनौती का सामना करना पड़ रहा है।

1993 में हुआ था पहला बड़ा विद्रोह

आपको बता दें कि जम्मू कश्मीर पुलिस को अपने पहले प्रमुख विद्रोह का सामना 1993 में करना पड़ा था, जब करीब 1,000 पुलिसकर्मियों ने सेना की हिरासत में अपने एक साथी की मौत के विरोध में पुलिस कंट्रोल रूम पर कब्जा कर लिया था। बाद में सेना और अर्धसैन्य बलों को बिल्डिंग खाली कराने के लिया बुलाया गया, जिसके बाद पुलिसकर्मियों ने सरेंडर किया था।

आतंक-विरोधी अभियान में शामिल एक और सीनियर पुलिस अधिकारी ने बताया, इस समय कॉन्ट्रैक्ट पर काम कर रहे किसी एसपीओ के लिए मिलिटेंट बनना कोई कट्टरपंथी विकल्प नहीं है क्योंकि वह पहले ही अपने काम की वजह से सामाजिक अलगाव का सामना कर रहा है। इस साल अभी तक 8 एसपीओ समेत 37 पुलिसकर्मियों की हत्या हो चुकी है, जिसके बाद सरकार ने इनको दिए जाने वाले मानदेय को 8,000 से बढ़ाकर 15,000 रुपये कर दिया है।